Title : Need to constitute an 'Economial territorial Battalion' in Himachal Pradesh consisting of Ex-servicemen for protecting the environments and the borders.

श्री सुरेश चन्देल (हमीरपुर, हि.प्र.) : सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से रक्षा मंत्री जी का ध्यान पहाड़ी प्रदेशों विशेाकर हिमाचल प्रदेश की ओर आकर्ति करना चाहता हूं। हम सब जानते हैं कि आज पूरे विश्व में पर्यावरण का असंतुलन बहुत तेजी से हो रहा है। आज जहां संपूर्ण विश्व में 40 प्रतिशत भाग वनों से आच्छादित होना चाहिए, उसकी जगह पर 25 प्रतिशत भाग ही वनों से आच्छादित है। इसलिए यह आवश्यक है कि वहां पेड़ों की सुरक्षा हो ताकि पर्यावरण का संतुलन बैठाया जा सके। हिमाचल प्रदेश के अंदर बड़ी संख्या में भूतपूर्व सैनिक हैं। लगभग 93000 भूतपूर्व सैनिक हिमाचल प्रदेश में रहते हैं। मेरा रक्षा मंत्री जी से अनुरोध है कि वे भूतपूर्व सैनिकों की एक पर्यावरण क्षेत्रीय सेना का गठन करें जिसके माध्यम से उनको रोज़गार पर भी लगाया जा सकता है और पेड़ों की सुरक्षा भी हो सकती है। इसके साथ ही मेरा सुझाव है कि जो वन औाधि विशेाज्ञ हैं, उनको भी इसमें शामिल किया जाए ताकि बड़ी मात्रा में जो वन औाधियों का क्षरण हो रहा है, उनको भी बचाया जा सके। मेरा वर्तमान सरकार से निवेदन है कि इसी सत्र में हिमाचल प्रदेश के अंदर पर्यावरण क्षेत्रीय सेना का गठन करने की सरकार घोाणा करे जिसके माध्यम से भूतपूर्व सैनिकों को राहत मिले और पर्यावरण संतुलन की जो जिम्मेदारी उन प्रदेशों पर है, उसका निर्वाह वे ठीक से कर सकें और विश्व के पर्यावरण संतुलन में अपना योगदान दे सकें।